PGDUPDL

शहरी नियोजन एवं विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2019 और जनवरी 2020 सत्रों के लिए)

विस्तार और विकास अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

शहरी नियोजन और विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
सत्रीय कार्य
जुलाई 2019 और जनवरी 2020 सत्र के लिए

कार्यक्रम कोड : पी.जी.डी.यू.पी.डी.एल.

प्रिय छात्र/छात्राओ,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य के 100 अंक हैं। पंजीकरण वर्ष को ध्यान में रखे बिना, आपको वेबसाइट पर अपलोड किए गए अद्यतन सत्रीय कार्य पूरे करके जमा कराने होंगे।

निर्देश :

1. सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में उल्लिखित निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।
2. आपके उत्तर–पत्रक के पहला पृष्ठ का शीर्ष भाग निम्न प्रकार नज़र आना चाहिए :

नामांकन संख्या	नाम और पता .....
ई–मेल	मोबाइल नंबर .....
पाठ्यक्रम कोड	क्षेत्रीय केंद्र (कोड) .....
पाठ्यक्रम शीर्षक	अध्ययन केंद्र (कोड) .....

3. अपने उत्तरों के लिए ए–4 आकार के कागज़ का उपयोग कीजिए। प्रत्येक उत्तर के साथ प्रश्न संख्या अवश्य लिखिए। कागज़ के दोनों ओर, पर्याप्त हाशिया छोड़कर अपने उत्तर लिखिए। उत्तर लिखे सभी पृष्ठों को पाठ्यक्रमवार सही प्रकार से और ध्यान से नत्थी कीजिए।
4. अपने सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपनी हस्तलिपि में अर्थात स्वयं लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
5. **सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि** : जुलाई 2019 सत्र के विद्यार्थियों के लिए 31 मार्च 2020 और जनवरी 2020 सत्र के विद्यार्थियों के लिए 30 सितंबर 2020। किंतु, आपको यह सलाह दी जाती है कि जहाँ तक हो सके अपने सत्रीय कार्य जल्दी जमा कराएँ।
6. हल किए गए सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास जमा कराएँ और उनसे सत्रीय कार्य जमा कराने की प्राप्ति रसीद अवश्य प्राप्त कर लें।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या हो और साथ ही उसमें यह दर्शाया गया हो कि आप क्या उत्तर देंगे। समाहार में आपके प्रश्न के उत्तर का संक्षेप प्रस्तुत किया गया हो।

3) **उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि** :
   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

4) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

किसी भी प्रकार की शैक्षिक सहायता/स्पष्टीकरण के लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रम समन्वयकों से संपर्क कीजिएः

एम.ई.डी.एस. 041 और एम.ई.डी.एस 042	डॉ.नेहाल ए.फारूक़ी, ई–मेलः	nafarooquee@ignou.ac.in
एम.ई.डी.एस. 043 और एम.ई.डी.एस.ई–046	प्रो.बी.के. पटनायक, ई–मेल :	bkpattanaik@ignou.ac.in
एम.ई.डी.एस.044	डॉ.पी.वी.के. शशिधर, ई–मेलः	pvksasidhar@ignou.ac.in

सत्रीय कार्य–1
शहरी विकास का परिचय

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.एस–41
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. शहरी विकास के तीन महत्वपूर्ण नियोजन सिद्धांतों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

2. शहरी नियोजन की विभिन्न तकनीकों की चर्चा कीजिए। साथ ही यह भी विवेचन कीजिए कि उनमें से कौन–सी तकनीक विकासशील देशों के लिए ज्यादा उपयुक्त है।

3. भारत में नगरपालिका शासन से संबंधित वैधानिक प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

4. नगरपालिका परिसंपत्ति प्रबंधन महत्वपूर्ण क्यों है? राष्ट्रीय नगरपालिका लेखाकरण नियमावली (एन.एम.ए.एम.) के अनुसार परिसंपत्ति वर्गीकरण (Asset Classification) की व्याख्या कीजिए।

5. सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) क्या है? शहरी विकास में सार्वजनिक–निजी भागीदारी के लाभ और हानियों का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य–2
शहरी नियोजन और विकास : मुद्दे और चुनौतियाँ

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.एस–42
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. शहरी भूमि बाज़ार (urban land market) के विभिन्न भाग (segments) कौन–से हैं? शहरी भूमि बाज़ार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

2. नगरपालिका अपशिष्ट (municipal waste) को परिभाषित कीजिए। नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (प्रबंधन और निपटान) नियम, 2000 की व्याख्या कीजिए।

3. शहरी अपराध के आयाम क्या हैं? शहरी सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए? चर्चा कीजिए।

4. मलिन बस्ती उन्नयन (slum up-gradation) महत्वपूर्ण क्यों है? मलिन बस्ती उन्नयन के दस महत्वपूर्ण सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।

5. विरासत (heritage) के विभिन्न प्रकारों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। शहरी विरासत से संबंधित विभिन्न मुद्दे और चुनौतियाँ क्या हैं? चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य–3
शहरी नियोजन और विकास की गतिकी

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.एस–43
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. संधारणीय विकास (sustainable development) के विभिन्न सूचक कौन से हैं? संधारणीय विकास को बढ़ावा देने से संबंधित कुछ उपायों की व्याख्या कीजिए।

2. संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के शहरी विकास नीति परिप्रेक्ष्यों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए। भारत को क्या सीख लेनी चाहिए?

3. राज्य–स्तरीय सामुदायिक भागीदारी नियम (community participation law) और सार्वजनिक प्रकटीकरण नियम (public disclosure law) का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. नगरपालिका विकास निधि और नगरपालिका बॉण्डों की आवश्यकता और महत्व की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

5. आपदा क्या है? आपदाओं के पर्यावरणीय सरोकारों की व्याख्या कीजिए। इनका न्यूनीकरण किस प्रकार किया जा सकता है?

सत्रीय कार्य–4
परियोजनाओं और कार्यक्रमों का अनुवीक्षण और मूल्यांकन

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.एस–44
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. परियोजना मूल्यांकन (project appraisal) को परिभाषित कीजिए। परियोजना मूल्यांकन के विभिन्न मानदंडों की व्याख्या कीजिए।

2. कार्यक्रम नियोजन की प्रक्रियाओं और सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।

3. अनुवीक्षण (निगरानी) के विभिन्न उपकरणों और तकनीकों का वर्णन कीजिए। साथ ही, उनके लाभ तथा हानियों का भी उल्लेख कीजिए।

4. आँकड़ा संकलन (data collection) की प्रश्नावली विधि की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

5. सह–संबंध (correlation) और प्रतिगमन (regression) में अंतर स्पष्ट कीजिए। सह–संबंध के गुण और दोषों का भी उल्लेख कीजिए।

सत्रीय कार्य–5
विकास : मुद्दे एवं परिप्रेक्ष्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.एस.ई–46
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. विकास प्रतिमान (development paradigm) को परिभाषित कीजिए। समावेशी और संधारणीय विकास (inclusive and sustainable development) का लेखा–जोखा प्रस्तुत कीजिए।

2. जनसंख्या के दो सिद्धांतों का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए। साथ ही यह चर्चा भी कीजिए कि ये दोनों सिद्धांत, विकास से किस प्रकार संबंधित हैं?

3. सामाजिक विकास की प्रक्रियाओं और गत्यात्मकता (dynamics) का वर्णन कीजिए।

4. कृषि संबंधी पाँच प्रमुख मुद्दों और चुनौतियों की चर्चा कीजिए। इन मुद्दों और चुनौतियों का सामना करने के लिए किए जाने वाले उपायों का भी वर्णन कीजिए।

5. स्वास्थ्य देखभाल विकास के विभिन्न घटकों और मापकों का वर्णन कीजिए।